053741

AECHN2.1

Reg. No. | | | | | | | | |

II Semester B.A./B.F.A./B.S.W./B. Music/B.V.A./ Degree

Examination, September - 2023

LANGUAGE HINDI

Daak Bangala - Upanyas Aur Prayojan Mulak Hindi

(NEP-AECC Freshers Scheme)

Paper - II

Time : 2½ Hours

Maximum Marks : 60

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य मे लिखिए (10×1=10)

1) 'डाक बंगला' उपन्यास की नायिका कौन हैं?

2) कहाँ की बस्तियों में रहना खतरनाक है?

3) तिलक को इरा का किसके साथ हँसना बोलना बुरा लगा?

4) तिलक ने जिन्दगी को किसकी उपमा दी है?

5) बिजली का तार कैसे टूट गया था?

6) विमल इरा को पहली बार कहाँ मिला था?

7) इरा की रंगमंच की दुनिया को कौन पसंद नहीं करता?

8) "डाक बंगला" – उपन्यास के रचनाकार कौन हैं?

9) इरा किन पेडों के समान उगना चाहती है?

10) इरा की सबसे बडी धरोहर क्या थी?

II. निम्नलिखित अवतरनों में से किन्हीं दो की सत्रसंग व्याख्या कीजिए । (2×7=14)

1) "तुम मुझे कैसी औरत समझते हो"।

2) "अरे यही पहनने – ओढ़ने के दिन हैं, बुढ़ापे में कौन करता है यह सब और कौन देखता है किसी कों"।

3) "मैंने अपने हर प्रेमी से यही कहा है कि तुम मेरी जिन्दगी में पहले हो, तुम प्रथम हो"

[P.T.O.

III. ''डाक बंगला'' — उपन्यास का सार लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **(1×16=16)**

अथवा

इरा के माध्यम से उपन्यासकार ने नारी जीवन की कुरूप विडंबना का वर्णन किया है। ''डाक बंगला'' — नाटक के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

IV. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए। **(1×5=5)**

1) बतरा।

2) विमल।

V. किन्हीं दो प्रश्नों क उत्तर लिखिए। **(2×4=8)**

1) प्रयोजनमूलक हिन्दीं की परिभाषा लिखकर उनकी प्रासंगिकता पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

2) प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप लिखिए।

3) प्रयोजनमूलक हिन्दी किसे कहते हैं? उसका प्रयोग किन—किन क्षेत्रों में किया जाता है।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए संक्षिप्तीकरण कीजिए। **(1×7=7)**

भारत के आधिकांश रहनेवालों की एक खास आदत है किं पेट का थोडा सा इन्तजाम हो जाने पर वे फिर आमदनी बढ़ाने की कोशिश नहीं करते। उनका जीवन बहुत ही सरल और साधा होता है। वे अपने काष्यें को बहुत कुछ सह लेते हैं। इन सब बातों की वजह से उनके रहन—सहनं का दर्जा भी बहुत नीचा होता है। वे आधा पेट खाकर दिन बिताते है। आप पूछ सकते हैं कि क्या भारत में भोजन की कमी है? यह ऐसा सवाल है जिसके उपर भिन्न—भिन्न लोगों के विचार एक से नहीं हैं। मालथस नामक एक अंग्रेज अर्थशास्त्री का कथन है कि जनसंख्या भोजन की चीजों से कहीं अधिक तेज़ी से बढ़ती है। उनके विचारों पर बहुत कुछ कहा जा चुका है जिस पर भी यह विचार अभी तक आदर की दृष्टि से देखे जाते हैं। यह स्पष्ट है कि भारत मे जनसंख्या की बहुत ज्यादा वृध्दी हुई है और जनसंख्या के एक भाग को एक वक्त भी पेट भर भोजन नहीं मिलता।